।।ॐ।।

# प्रतिवेदन – 2017

प.पू. सरसंघचालक जी, आदरणीय अखिल भारतीय पदाधिकारी गण, अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल के सदस्य, निमंत्रित एवं विशेष निमंत्रित बंधु, अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के समस्त प्रतिनिधि बंधु तथा सामाजिक जीवन में विभिन्न संगठनों के माध्यम से कार्यरत ऐसे निमंत्रित सन्माननीय बहनों तथा भाईयों आप सबका इस अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में स्वागत है।

पूज्य माता अमृतानंदमयी के पावन सानिध्य से आनंदप्रदायी परिसर में अपनी अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा प्रारंभ हो रही है। हम सबके सौभाग्य से पूज्य माताजी का आशिर्वाद भी हमें प्राप्त होने वाला है। ऐसे अत्यंत पवित्र वातावरण में निश्चित ही हम सभी आनंद की अनुभूति करने वाले हैं।

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा सुचारु रुप से संपन्न हो इस दृष्टि से सभी पूज्य स्वामी जी, व्यवस्था में सहयोग कर रहे सभी बंधुओं के प्रति हम कृतज्ञता व्यक्त करते है।

**श्रद्धासुमन** :– मध्य के कालखंड में हमने अपने कई निकटस्थ बंधुओं को खोया है। जिनके मार्गदर्शन से हम हमेशा ही लाभान्वित होते रहे है ऐसे मा. कृ. सूर्यनारायणराव आज हमारे मध्य नहीं है। सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं कला क्षेत्र के जिन व्यक्तित्व का सानीध्य हमें प्राप्त होता रहा और देश उनकी प्रतिभा एवम् कर्तृत्व से लाभान्वित हुआ ऐसे कई महानुभाव अपना पार्थिव शरीर त्याग कर अंतिम यात्रा पर प्रस्थान कर गये। जैसे .....

1) श्री एम्. सी. जयदेव – पूर्व क्षेत्र प्रचारक दक्षिण मध्य क्षेत्र, 2) श्री रामभाऊ हलदेकर – पूर्व क्षेत्र प्रचारक, दक्षिण पूर्व क्षेत्र, 3) श्री प्रवीणभाई मणीयार – पूर्व प्रांत कार्यवाह, गुजरात, 4) श्री एन्. ए. भास्कर राव – प्रांत कार्यवाह आंध्रप्रदेश, 5) श्री कमलाकर डोनगाँवकर – पूर्व प्रान्त प्रचारक महाकौशल प्रान्त, 6) डॉ. भाई महावीर – पूर्व राज्यपाल, 7) श्री सुंदरलाल पटवा – पूर्व मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश, 8) श्री राम नरेश यादव – पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, 9) श्रीमती जयवंतीबेन मेहता – पूर्व केन्द्रिय मंत्री, 10) श्रीमती शशीकला ताई काकोडकर – प्रथम महिला पूर्व मुख्यमंत्री, गोवा, 11) सुश्री जयललिता – मुख्यमंत्री तमिलनाडु, 12) श्री सुरजितसिंग बरनाला – पूर्व मुख्यमंत्री पंजाब, 13) श्री जांबुवंतराव धोटे – विदर्भवीर, 14) पू. श्री राधासर्वेश्वरशरण देवाचार्य श्री श्रीजी महाराज – निम्बार्क पीठ के आचार्य, 15) पू. स्वामी सोमपुरी जी महाराज – तीर्थराज पुष्कर ब्रम्हामंदिर के मुख्य पुजारी, 16) पू. स्वामी निर्मलानंदगिरी महाराज – वेदपाठी एवं आयुर्वेद के चिकित्सक, 17) श्री जी. वासुदेवन् नम्बुथिरी – मनारशाला मंदिर के मुख्य पुजारी, 18) श्रीमति निर्मलाताई आठवले – स्वाध्याय परिवार, 19) श्री जोगिंदरसिंग – सी. बी. आई. के पूर्व प्रमुख, 20) श्री एम्. जी. के. मेनन – भौतिकशास्त्रज्ञ एवं इस्रो के पूर्व अध्यक्ष, 21) श्री एम्. बालमुरलीकृष्ण – प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतज्ञ, 22) श्री दिलीप पाडगावकर – ज्येष्ठ पत्रकार, टाइम्स ऑफ इंडिया के संपादकीय सलाहकार, 23) श्री चो. रामास्वामी – तमिल साप्ताहिक तुगलक के संपादक, 24) श्री अल्तमस कबीर – भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, 25) श्री व्ही. पी. रामकृष्ण पिल्लई – आर. एस्. पी. के वरिष्ठ नेता, 26) श्री पी. विश्वंभरन् – केरल के समाजवादी नेता, 27) श्री ओम पुरी – प्रख्यात सिने कलाकार, 29)श्री पी. शिवशंकर – पूर्व केन्द्रिय मंत्री, 29)श्री ईशकुमार चड्ढा – पूर्व सह–प्रांत कार्यवाह, दिल्ली 30)श्री अनुपम मिश्र – गांधीवादी विचारक, लेखक, दिल्ली, 31) डॉ. कृष्णराव हरदास – विश्व विभाग के कार्य में विशेष योगदान, 32) श्री भूषणलाल धूपड – हरियाणा – माननीय विभाग संघचालक, फरीदाबाद, 33) श्री गंगुमेई कामेई – मणिपुर – कल्याण आश्रम के संरक्षक एवं पूर्व मंत्री, 34) श्री एच्. कनैयालाल – मणिपुर – संस्कार भारती के संरक्षक, 35) श्री तारक मेहता – गुजरात – पद्मश्री सम्मानित साहित्यकार, 36) श्री रवि रे – ओडिशा – पूर्व लोकसभा अध्यक्ष, 37)श्री विष्णु, श्री अनिलकुमार, श्री निर्मल, श्री राधाकृष्णन्, श्री संतोष, श्री ए. रवीन्द्रनाथ एवं श्रीमति विमला जी – केरल में साम्यवादी हिंसा के शिकार तथा 38) श्री तुषार राय एवं श्री सोनू चौहान – अल्पकालिन विस्तारक के नाते गये तब तालाब में डूबकर मृत्यू हुई।

वैसे ही विभिन्न दुर्घटनायें, प्राकृतिक आपदायें, सीमा पर संघर्ष करते हुए अपने प्राण गवाँ बैठे ऐसे सभी बंधु तथा राजनैतिक असहिष्णुता के चलते हिंसा के बलि चढे ऐसे बंधुओं का स्मरण होता है।

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ऐसे समस्त दिवंगतों के दुःखी परिवारों के प्रति अपनी गहरी शोक संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करते है कि दिवंगतों को सद्गति प्राप्त हो। हम श्रद्धासुमन अर्पित करते है।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

## कार्यस्थिति :–

2016–17 में संपन्न संघ शिक्षा वर्ग तथा प्राथमिक शिक्षा वर्ग –

कुल संघ शिक्षा वर्ग :– 93

| वर्ष | स्थान | संख्या |
|---|---|---|
| प्रथम | 10204 | 17500 |
| द्वितीय | 3050 | 4130 |
| तृतीय | 867 | 973 |

| वर्ष | स्थान | संख्या |
|---|---|---|
| प्रथम (विशेष) | 1309 | 1891 |
| द्वितीय(विशेष) | 1127 | 1527 |

प्राथमिक शिक्षा वर्ग :–

| | 2015–16 | 2016–17 |
|---|---|---|
| कुल वर्ग | 961 | 1059 |
| शाखा प्रतिनिधित्व संख्या | 32233 | 29127 |
| | 112520 | 104256 |

**शाखावृत्त** :– अभी तक प्राप्त वृत्त के अनुसार वर्तमान में देशभर में 36729 स्थानों और 57185 शाखायें चल रही है। स्थान, साप्ताहिक मिलन तथा संघ मंडली मिलाकर कुल 59216 स्थानों पर कार्य चल रहा है।

| वर्ष | स्थान | शाखा | मिलन | मंडली |
|---|---|---|---|---|
| 2017 | 36729 | 57185 | 14896 | 7594 |
| 2016 | 36867 | 56859 | 13784 | 8226 |

## प.पू.सरसंघचालक जी का प्रवास :–

इस वर्ष की प्रवास योजना में समाज जीवन के कुछ प्रमुख पू. संत, सामाजिक, धार्मिक, शैक्षिक, व्यापार, उद्योग, कृषि, न्याय एवं कला क्षेत्र के तथा प्रशासकीय सेवा में कार्यरत अथवा निवृत्त अधिकारियों से व्यक्तिगत, समूह में अथवा परिवारों में जाकर मिलने की योजना बनी थी।

वृंदावन के रामकृष्ण मठ के पू. स्वामी सुप्रकाशानंद जी, वृंदावन के ही पू. रमेशबाबा जी, पुरी के पू. प्रज्ञानानंद जी, उज्जैन के वाल्मिकीधाम स्थित पू. उमेशनाथ योगी जी तथा अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संप्रदाय के पू. महंत स्वामी जी आदि संतों से आशिर्वाद प्राप्त हुआ।

भाग्यनगर (हैदराबाद) में अपोलो अस्पताल के श्री प्रताप रेड्डी जी, इन्फोटेक के श्री मोहन रेड्डी जी, पद्मश्री श्री टी. व्ही. नारायणन् जी तथा नागार्जुन ग्रुप के श्री राजू जी से मिलना हुआ। पद्मविभूषण श्री रतन जी टाटा से नागपुर संघ कार्यालय में मुलाकात हुई। गुजरात में वासदा स्टेट के महाराजा श्री दिग्विजेन्द्रसिंह जी तथा कर्णावती (अमदाबाद) में अरविंद ग्रुप के श्री संजय लालभाई जी एवं निरमा ग्रुप के श्री करसनभाई पटेल से मुलाकात हुई। उज्जैन में सुप्रसिद्ध ध्रुपद गायक श्री गुंदेचा बंधुओं का गायन सुनने तथा साथी कलाकारों से मिलने का अवसर मिला। संबलपुर के पास खिंडा गांव के दि. 28 फरवरी 1884 में हुतात्मा हुए सुरेन्द्र साई के घर जाकर उनके परिवारजनों से उनके जयंति (दि. 23 जून) के अवसर पर मिलना हुआ। इसके अतिरिक्त विविध 26 समूहशः बैठकों में लगभग 400 समाज के प्रतिष्ठित भाई–बहनों से भी मिलना हुआ।

सभी 11 क्षेत्रों में संगठनात्मक प्रवास में कार्यकर्ताओं की बैठकों के साथ–साथ विशेष कार्यक्रमों की भी अच्छी योजना बनी थी। इन कार्यक्रमों में अरुणाचल में संपन्न ''अरुण चेतना'' सम्मेलन एवं Indigenious faith leaders meet, जम्मू प्रांत का एकत्रीकरण ''शंखनाद'', तमिलनाडु में तिरुलनवेल्ली जिला एकत्रीकरण, जमशेदपुर में नगर का सांघिक

एवं भाग्यनगर में व्यवसायी तरुण सांघिक उल्लेखनीय है। नागपुर महानगर में गणसमता स्पर्धा तथा भीलवाडा में विभाग एकत्रीकरण विशेष उल्लेखनीय है।

इनके अलावा नागपुर में सी. ए. व्यवसायीओं की बैठक एवं युवा सेवा कार्यकर्ता बैठक, क्रीडाभारती विदर्भ के द्वारा क्रीडा क्षेत्र में पुरस्कार प्राप्त खिलाडियों का सम्मान एवं विश्वमांगल्य सभा द्वारा आयोजित वीरमाता सम्मान कार्यक्रम, आगरा में प्राध्यापक सम्मेलन तथा कुटुंब प्रबोधन द्वारा नवदंपतियों का सम्मेलन ऐसे भी विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

## सरकार्यवाह के नाते प्रवास :–

वर्ष 2016–17 के प्रवास में संगठनात्मक बैठकों के अतिरिक्त संपर्क विभाग, धर्मजागरण समन्वय विभाग आदि की योजना से कुछ कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

(1) मुंबई में युवा उद्योजकों के साथ वार्तालाप आयोजित किया था। गत वर्ष से नित्य मासिक मिलन होता आया है। इस कार्यक्रम में 57 युवा उद्योजक उपस्थित थे। संघ समझने के प्रति अच्छी जिज्ञासा रही।

(2) नागपुर महानगर में एक भाग में प्रबुद्ध नागरिक एवम् चिकित्सक श्रेणी के साथ वार्तालाप के कार्यक्रम हुए। जिसमें क्रमशः 136 प्रबुद्धजन तथा 142 चिकित्सक उपस्थित रहे।

(3) मध्यभारत प्रांत में मुरैना में विभाग के खंड स्तर पर समरसता विषय में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की बैठक हुई जिसमें 333 ग्रामों से 3623 और 99 नगरीय बस्तियों से 1706 कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

(4) चेन्नई में प्रबुद्ध गोष्ठी में 102 महानुभाव उपस्थित रहे। विविध कार्यों की जानकारी और रुचिनुसार बैठकें रखी थी। आये हुए बंधुओं ने कार्य का दायित्व लेने के प्रति सकारात्मक संकेत दिये है।

(5) मालवा प्रांत में धर्मजागरण समन्वय विभाग के द्वारा ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में कार्यरत धर्मरक्षा समिति के कार्यकर्ताओं का अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ जिसमें 938 स्थानों से 3593 कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

(6) इन्दौर महानगर में ''महानगरों का बदलता परिवेश'' इस विषय पर संघकार्य के संदर्भ में चर्चा–संवाद का कार्यक्रम हुआ जिसमें 42 प्रबुद्ध जन सहभागी हुए।

## कार्यविभाग वृत्त :–

**(1) शारीरिक विभाग** :– प्रति पाँच वर्ष में होने वाला अखिल भारतीय शारीरिक वर्ग इस वर्ष नवंबर मास में देवगिरी प्रांत के भुसावल शहर में संपन्न हुआ। जिसमें 40 प्रांतों से 430 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। अपने विषय के अभ्यास के अतिरिक्त दंड, पदविन्यास, योगासन और खेल इन विषयों के शाखा में आयुनुसार जो प्रयोग हो सकते है उनका भी अभ्यास किया गया। वर्ग में प.पू. सरसंघचालक माननीय मोहन जी भागवत, सरकार्यवाह तथा सह–सरकार्यवाह श्री भागय्या जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

**(2) बौद्धिक विभाग** :– इस वर्ष 33 प्रांतों में बौद्धिक विभाग के कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। जिसमें 1483 कार्यकर्ता उपस्थित थे। चयनित कार्यकताओं के प्रशिक्षण हेतु 5 वर्ग हुए जिनमें 311 कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। 24 प्रांतों में आयुनुसार बौद्धिक योजना करना प्रारंभ हुआ है। 6 प्रांतों में अलग से बौद्धिक पुस्तिका निकलती है।

**(3) सेवा विभाग** :– लगभग 10 वर्ष के अंतराल से इस वर्ष प्रांत सेवा प्रमुखों का त्रिदिवसीय अभ्यास वर्ग कन्याकुमारी में संपन्न हुआ। इसमें प.पू. सरसंघचालक जी एवं सह–सरकार्यवाह जी श्री दत्तात्रेय जी द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कन्याकुमारी जिले में लगभग 6000 सेवाकार्य चलते है। वर्ग के पश्चात् एक दिन सभी कार्यकर्ता इन सेवाकार्यों के दर्शन हेतु गये थे। भाषा की कठिनाई होते हुए भी सभी ने आनंद की अनुभूति ली।

**(4) प्रचार विभाग** :– वर्ष 2016–17 में प्रचार विभाग के द्वारा विविध प्रकार के उपक्रम किये गये।

**नारद जयंति** :– नारद जयंति के 187 कार्यक्रमों में 6137 पत्रकारों के साथ 20183 नागरिक उपस्थित थे। उन कार्यक्रमों में 756 पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

**साहित्य विक्री** :– 38 प्रांतों में 31622 कार्यकर्ताओं द्वारा लगभग एक करोड 40 लाख मूल्य की 6 लाख 17 हजार पुस्तकों की बिक्री हुई।

देश के 35 प्रतिशत ग्रामों तक जागरण पत्रिका पहुँचती है। देशभर में 20 स्थानों पर विश्व संवाद केन्द्र का कार्य चलता है।

इस वर्ष प्रचार विभाग के प्रयासों से 2 स्थानों पर लघु चित्रपट प्रदर्शन आयोजित किया। अ. भा. स्तर पर इन्दौर में 103 तथा राज्य स्तर पर तेलंगाणा, केरल, प. बंगाल में लघु चित्रपट दिखाये गये। आगामी वर्ष में और अन्य स्थानों पर भी करने का विचार है।

शिक्षित युवा वर्ग में संघ जानने की दृष्टि से उत्सुकता लगातार बढ रही है। संघ की अधिकृत वेबसाइट के उपयोग में अच्छी वृद्धि हुई है। फेसबुक द्वारा संपर्क रखने वाली संख्या में लगभग 4 लाख की वृद्धि हुई है। अब 12 लाख लोग संपर्क में है।

**(5) संपर्क विभाग** :– इस वर्ष क्षेत्र और प्रांत स्तर संपर्क विभाग के कार्यकर्ताओं की कार्यशालायें तथा प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किये थे।

विभिन्न निमित्तों से समाज के सभी श्रेणियों के गणमान्य व्यक्ति, संस्था प्रमुख और सहचिंतक महानुभावों से संपर्क हुआ। संघ के प्रति अनुकूलता तथा स्वागतशीलता का अनुभव आ रहा है।

प.पू. सरसंघचालक जी के प्रवास में प्रमुख स्थानों पर विशेष संपर्क की योजना बनी थी। विविध क्षेत्र के अग्रणियों से मुलाकात हुई। अत्यंत विधायक चर्चा और राष्ट्रीय प्रमुख विषयों पर सहमति का भी अनुभव इसमें प्राप्त हुआ।

सभी प्रांतों में वर्ष में एक दिन 'संपर्क दिन' के रुप में हो ऐसी योजना अभी स्थायी रुप ले रही है। संपर्क विभाग के माध्यम से जिला स्थानों पर प्रबोधनात्मक एवं पुस्तक विमोचन के कार्यक्रम संपन्न हो रहे है। गुजरात के महेसाणा में विभाग के प्रमुख व्यक्तियों से संपर्क कर दिनभर के एक प्रबोधनात्मक कार्यक्रम आयोजन किया। लगभग पाँचसो गणमान्य नागरिक इसमें सम्मिलित हुए।

प.पू. सरसंघचालक जी के विजयादशमी के अवसर दिये गये उद्‌बोधन में आये मुद्दों पर दिल्ली में गणमान्य व्यक्तियों से चर्चा करने के कार्यक्रमों का आयोजन होता आया है। इस वर्ष से देश के कुछ प्रमुख स्थानों पर भी ऐसे चर्चा के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। माननीय सरकार्यवाह जी मुंबई एवं पुणे तथा सह–सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय जी, भागय्या जी एवं श्री कृष्णगोपाल जी बंगलुरु, चेन्नई, जयपुर, चंदीगढ और भाग्यनगर में हुए कार्यक्रमों में उपस्थित रहे। प्रति वर्ष यह आयोजन करने का विचार हुआ है।

## प्रान्तों में संपन्न विशेष कार्यक्रम :–

**(1) केरल में संपन्न व्यावसायिक महाविद्यालय छात्र शिविर** :– केरल प्रांत में वार्षिक योजना में व्यावसायिक महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के शिविर की योजना बनी। उद्देश्य यही था कि इस प्रकार के महाविद्यालय में संपर्क बढे एवम् छात्र संघकार्य के संपर्क में आये।

पूर्व तैयारी की दृष्टि से खंड स्तर पर महाविद्यालयीन छात्र–प्रवासी कार्यकर्ताओं की बैठकें हुई जिसमें 274 कार्यकर्ता उपस्थित रहे और उनके द्वारा 450 महाविद्यालयों में से 238 में संपर्क किया गया। शिविर हेतु 1470 छात्रों का पंजीकरण हुआ। खंडशः छात्रों की बैठके और 43 स्थानों पर एकत्रीकरण आयोजित किये गये। दिनांक 24–25 सितंबर 2016 को एर्नाकुलम् में यह शिविर संपन्न हुआ। जिसमें 156 व्यावसायिक संस्थानों से 951 छात्र और 181 प्रवासी महाविद्यालयीन छात्र कार्यकर्ता शिविर में सहभागी हुए। तंत्र शिक्षा के 744, वैद्यकीय के 20, विधि के 54, अर्थ प्रबंधन के 101 एवम् शिक्षक महाविद्यालय से 32 छात्र थे। कुल 365 नये छात्र आये थे।

शिविर में प.पू.सरसंघचालक जी का सानिध्य प्राप्त हुआ और अन्य क्षेत्रीय एवम् प्रांतिय अधिकारियों का मार्गदर्शन भी मिला। कोच्चि शिपयार्ड के व्यवस्थापकीय संचालक श्री मधु नायर जी की उपस्थिति में उद्‌घाटन हुआ। अद्वैत आश्रम के स्वामी चिदानंद पुरी जी का आशीर्वचन भी प्राप्त हुआ।

अनुवर्तन के प्रयासों में 318 परिसर में साप्ताहिक मिलन प्रारंभ हुए है जिसमें 50 व्यावसायिक प्रशिक्षण परिसर में है। 143 छात्रों ने प्राथमिक शिक्षा वर्ग पूर्ण किया है।

**(2) द. तमिलनाडु** :–

**मुख्य मार्ग पर आनेवाले गाँवों में संघकार्य** :– प्रांत में मुख्य मार्ग में आने वाले गावों में संघकार्य प्रारंभ हो इस दृष्टि से प्रांत में विशेष प्रयास इस वर्ष किया गया।

प्रांत में कुल 776 मार्ग है। अक्तुबर में आयोजित ''ग्राम शक्ति संगमम्'' में 206 मार्गों से 446 ग्रामों से 1798 व्यक्ति उपस्थित रहे। जनवरी 2017 में बैठकों का आयोजन किया गया। 270 मार्गों की बैठकों में 933 ग्रामों से 2998 व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रयासक्रम में 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंति का कार्यक्रम इन सभी ग्रामों में संपन्न करने की योजना बनी। कुल 418 मार्गों के 1268 ग्रामों में कार्यक्रम संपन्न हुए जिसमें 25331 नागरिक सम्मिलित हुए। मई मास में ऐसे सभी ग्रामों में ''बाल संस्कार केन्द्र'' प्रारंभ हो ऐसी योजना बनी है।

**गौसेवा संगमम्** :– रामेश्वरम् में फरवरी 4–5 को गौसेवा संगमम् का आयोजन किया गया। जिसमें 108 देशी गौमाता के पूजन का कार्यक्रम हुआ। पूजन हेतु विशेषतः शुभ्र, कृष्ण, लाल, धुम्र एवम् सुवर्ण रंग की गौमातायें लायी थी। इस अवसर पर 108 सोमयाग यज्ञ संपन्न हुआ जिससे पंचमहाभूतों की शुद्धि का वातावरण निर्मित हुआ। इस प्रसंग में 5000 गौभक्त सम्मिलित हुए थे।

**पथसंचलन** :– गत 6 वर्षों से प्रशासन द्वारा पथसंचलन पर रोक लगाई गई थी। न्यायालयीन प्रक्रिया के चलते मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा अनुमति प्राप्त हुई। परिणामतः दोनों प्रांतों में 19 स्थानों पर संचलन के कार्यक्रम संपन्न हुए जिसमें 11556 स्वयंसेवक सहभागी हुए।

**नवशक्ति संगमम्** :– 2 दिवसीय बाल शिविर नागरकोइल में संपन्न हुआ। जिसमें 426 स्थानों से 2628 बाल स्वयंसेवक उस्थित रहे।

**भारतमाता पूजन** :– 15 अगस्त के दिन प्रांत में 2043 स्थनों पर भारतमाता पूजन के कार्यक्रम संपन्न हुए। जिसमें 1,55,100 माता, बहनें, बंधु सहभागी हुए।

**(3) आंध्रप्रदेश** :–

**नगरीय क्षेत्र में बस्तियों में कार्य** – प्रांत में सभी बस्तियाँ कार्ययुक्त हो इस दृष्टि से विशेष योजना बनाई गई। कुल 59 नगरों में 857 बस्तियाँ है। दिनांक 1–7 जनवरी शाखा सप्ताह तय किया। 555 बस्तियों में एक सप्ताह शाखा लगायी गई। कुल 662 शाखायें लगी। अनुवर्ती प्रयासों से 432 शाखा तथा 121 मिलन प्रारंभ हुए। कुल 112 शाखाओं की वृद्धि हुई। वर्तमान में 857 में से 602 बस्तियाँ कार्ययुक्त हुई है।

**छात्रावास सर्वेक्षण** :– प्रांत में चलते अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के छात्रावासों का सर्वेक्षण करने की योजना बनाई गयी। 400 छात्रावासों का 900 कार्यकर्ताओं ने सर्वेक्षण किया।

**(4) प. महाराष्ट्र** :– प्रांत में दो उपक्रम बहुत उपयुक्त और प्रभावी रुप से संपन्न हुए। इन दोनों कार्यक्रमों में समाज की सहभागिता विशेष उल्लेखनीय है।

**निर्मल वारी** – आषाढ मास में श्री क्षेत्र पंढरपुर तक लाखों भक्त पदयात्रा करते हुए पहुँचते है। लगभग 300 कि.मी. यात्रा मार्ग पर प्रतिवर्ष स्वच्छता की समस्या रहती है। इस वर्ष संघ के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन एवम् जनसहभागिता से समाधान की दिशा में सफल प्रयास किया। 15 दिन तक चलने वाली यात्रा में 8 लाख यात्रियों की सुविधा हेतु 700 शौचालयों की व्यवस्था की गई। कुल 375 स्वयंसेवकों ने पूर्ण 15 दिन तक इसमें सहयोग दिया। मार्गपर रहने वाले ग्रामवासी तथा पदयात्रियों ने इस उपक्रम की सराहना की।

**सामाजिक रक्षाबंधन** – पुणे महानगर के कार्यकर्ताओं ने ''स्वच्छता अभियान'' के तहत 18 से 28 अगस्त इस कालखंड में 3 लाख परिवारों में संपर्क करते हुए जनजागरण किया। दि. 28 अगस्त के दिन 217 केन्द्रों पर 45 टन से अधिक प्लास्टिक एवम् इलेक्ट्रॉनिक कचरा संकलित हुआ। इस बृहत उपक्रम में 15000 बंधु, भगिनियों का सहभाग रहा। 60 विविध सामाजिक संस्थाओं ने भी इस कार्य में सहयोग किया।

**(5) देवगिरी** :–

**मातृभूमि स्वरवंदना** – संभाजी नगर में दिनांक 26 जनवरी 2017 के गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में विशेष प्रकार का भारतमाता पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न घोष पथक जिसमें 23 व्यावसायिक घोष पथक 360 वादकों के साथ बिना किसी आर्थिक अपेक्षा के सम्मिलित हुए यह ''मातृभूमि स्वरवंदना'' कार्यक्रम की विशेषता रही। कार्यक्रम में मंच पर नगर की विभिन्न 40 जाति संस्थाओं के अध्यक्ष उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रुप में पूज्य भदंत विशुद्धानंद जी बोधी महाथेरो उपस्थित थे। उन्होंने कहा, ''देश के सभी मंदिर, मस्जिद, चर्च, बौद्ध विहार इत्यादी स्थानों पर भी भारतमाता पूजन होना चाहिये।'' प्रसिद्ध तबला वादक तथा सकल भारतीय चर्मवाद्यों के तज्ञ श्रीमान शरद जी दांडगे भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

360 वादकों ने डेढ घंटे से अधिक समय वादन कर स्वरांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में गुजरात के 'वर्ल्ड रेकार्ड ऑफ इंडिया' संस्था के प्रमुख श्री पवन सोलंकी जी ने उपस्थित रहकर ''राष्ट्रीय विक्रम'' यह प्रमाणपत्र प्रदान किया।

5000 नागरिकों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। अंत में सभी उपस्थित नागरिकों ने पुष्पार्चन कर भारतमाता पूजन किया।

**(6) गुजरात** :–

**सामाजिक सद्भाव कार्यकर्ता संमेलन** – प्रांत के सभी नगरों एवं तहसिलों में 15 सदस्यों की समिति का गठन किया गया है। जागरण श्रेणी के 5 कार्यकर्ता और सामाजिक नेतृत्व से 10 नाम इसमें जोडे गये। ऐसे सभी का सम्मेलन प्रांत में दो स्थानों पर आयोजित किया गया। 176 तहसिलों से 1331 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भविष्य में स्थान–स्थान पर सामाजिक सद्भाव बैठकों का क्रम प्रभावी रुप से क्रियान्वित होगा ऐसा विश्वास है।

**प्रबुद्ध गोष्ठी** – संपर्क विभाग द्वारा महेसाणा में ''वैश्विक परिदृश्य में भारत'' इस विषय पर एक विशेष प्रबुद्ध गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस हेतु 10 श्रेणियाँ बनाकर गटशः संपर्क किया। कुल 842 बंधुओं का पंजीकरण हुआ। कार्यक्रम में सभी 10 श्रेणियों से 25 बहनें तथा 506 बंधु उपस्थित रहे।

**जिलाशः एकत्रीकरण** – कच्छ विभाग में दोनो जिला के सभी मंडल कार्ययुक्त हो इस दृष्टि से प्रयास के क्रम में स्वयंसेवकों का विराट एकत्रीकरण का आयोजन किया गया। दो स्थानों पर 87 मंडलों में से 80 मंडलों के 5343 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। इस हेतु प्रत्येक शाखा द्वारा घर–घर में संपर्क, कार्यविहिन मंडलों में योजनाबद्ध प्रवास और 19 अल्पकालिन विस्तारकों द्वारा 15 दिन का समय देना इस प्रकार के प्रयत्नों द्वारा यह एकत्रीकरण सफल हुआ।

**(7) विदर्भ :–**

**गणसमता स्पर्धा** – नागपुर महानगर ने गणसमता प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में प्रत्येक नगर से एक गण, जिसमें केवल महाविद्यालयीन छात्र और तरुण व्यवसायी (40 वर्ष तक) स्वयंसेवक सम्मिलित थे। सूची बनाना, नगरशः अभ्यास, गुणवत्ता को आधार बनाकर गणों की निश्चिती हुई। अभ्यास हेतु नियमित उपस्थिति अनिवार्य रखी गई। दिनांक 7 दिसंबर को प्रतियोगिता हेतु 12 गणों की निश्चिती की गई। कार्यक्रम की गुणत्ता का स्तर अच्छा था। इस कार्यक्रम में प.पू.सरसंघचालक जी एवम् माननीय सरकार्यवाह जी की उपस्थित थे।

**महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्य** – वर्ष के प्रारंभ से ही महाविद्यालय कार्य पर चरणबद्ध योजना बनाई गई। प्रथम चरण में तहसीलशः टोली बनाना, टोली के माध्यम से नये छात्रों का संपर्क करना और उन्हें संघकार्य में जोडने का प्रयास करना और वर्ष के अंत में तहसीलशः 3 घंटे का एकत्रीकरण हो ऐसी योजना बनी। सफलता हेतु अवकाश के दिनों में 175 विस्तारक निकले। एकत्रीकरण में सभी मंडल, बस्तियाँ, सभी महाविद्यालय तथा छात्रावासों से प्रतिनिधित्व हो इस पर ध्यान केन्द्रित किया गया। केवल सोशल मीडिया का उपयोग इस हेतु किया गया। अन्य प्रसार साधनों का उपयोग नहीं किया। सभी एकत्रीकरण में ''राष्ट्रनिर्माण में युवाओं का योगदान'' विषय पर बौद्धिक वर्ग हुआ। प्रांत में 132 तहसिलों में 125 एकत्रीकरण हुए। 568 मंडलों से, 1570 ग्रामों से, 573 बस्तियों से प्रतिनिधित्व रहा। 751 महाविद्यालय और 125 छात्रावासों से 13736 छात्र उपस्थित रहे। अनुवर्ती प्रयास में कार्यवृद्धि हेतु योजना बन रही है।

**(8) मालवा :–**

**राष्ट्र चेतना शिविर** – प्रांत में महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के शिविर का आयोजन नवंबर 2016 को किया था। शिविर में 628 स्थानों से 5240 छात्रों ने भाग लिया। 3043 स्नातक, 380 स्नातकोत्तर और 1172 व्यायसायिक पाठ्यक्रमों के छात्रों की उपस्थिति रही। एक सत्र प्राध्यापक बंधुओं हेतु रखा था जिसमें 110 प्राध्यापक उपस्थित रहे।

**(9)मध्यभारत :–**

**बाल शिविर** – बाल कार्य में गुणात्मकता और शाखाओं की वृद्धि इस दृष्टि से प्रांत में विशेष ध्यान दिया गया। विशेषतः शाखा टोली, पालक योजन, नगर स्तर पर बाल प्रमुखें की सक्रियता बढे ऐसा प्रयास रहा। कुछ निश्चित की हुई अर्हतायें पूर्ण करके ही शिविर में आना था। सभी स्तरों पर पालकों की योजना की गई। नगर स्तर पर नैपुण्य वर्ग हो इसका भी आग्रह था।

दिनांक 24 से 27 नवंबर 2016 को गुना में शिविर संपन्न हुआ। जिसमें 30 जिलों से 1876 बाल सहभागी हुए। कार्यवृद्धि के नाते शिविर निश्चितही उपयुक्त सिद्ध होगा।

**ग्वालियर महानगर में विशेष प्रयास** – महानगर की सभी 56 बस्तियाँ शाखायुक्त हो यह संकल्प किया था। दिनांक 15 दिसंबर 2016 के दिन एक ही विशाल मैदान में बस्तीशः शाखा लगाने की योजना बनी। प्रत्येक शाखा में कोई एक अधिकारी उपस्थित रहे ऐसा नियोजन किया गया। उस दिन 54 बस्तियों की शाखा लगी जिसमें 928 स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही। इसमें मा. सरकार्यवाह जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अभी 54 बस्तियों में शाखा प्रारंभ हुई है।

**(10) महाकौशल :–**

**सामाजिक समरसता सम्मेलन** – प्रांत में समरसता वर्ष की संकल्पना को सामने रखकर विशेष प्रयास किये गये। 880 मंडलों में बैठकें एवं 40 संगोष्ठियाँ हुई। प.पू. बाळासाहेब देवरस जी का वसंत व्याख्यानमाला, पुणे में दिये गये भाषण की 15000 पुस्तिकाओं का वितरण किया गया। जनवरी 2017 में स्थान–स्थान पर 'समरसता सम्मेलनों' का आयोजन किया गया। 180 खंडों के 4157 ग्रामों से 1,35,700 पुरुष तथा 55 हजार से अधिक महिलायें उपस्थित रहीं। सम्मेलन में 80 प्रतिशत ज्ञातियों का प्रतिनिधित्व रहा। 470 पूजनीय संतों की उपस्थिति भी प्रेरणादायी रही। इस निमित्त 275 रथयात्रायें निकाली गई। उस समय चार लाख से अधिक पत्रकों का वितरण किया गया।

प.पू.बाळासाहेब जी के पैतृक ग्राम ''कारंजा'' में विशेष कार्यत्त्म का आयोजन किया गया। जिसमें लांजी खंड के 125 ग्रामों से 2524 नागरिक उपस्थित रहे।

**श्रम साधना** – प्रांत में 463 स्थानों पर 9946 कार्यकर्ता और 4194 नागरिक इस श्रम साधना के कार्य में सहभागी हुए।

**(11) दिल्ली** :– दिल्ली प्रांत में दि. 26 जनवरी 2017 को गुणवत्ता संचलन हुआ। संचलन में 14 से 35 आयु के 1074 चयनित स्वयंसेवकों भाग लिया जिनमें 252 घोष वादक थे। तेज वर्षा के बीच यह संचलन मंदिर मार्ग के विद्यालय से कनाट प्लेस तक निकाला गया।

**(12) उत्तराखंड** :–

**नगर/खण्डशः बाल पथ संचलन** – उत्तराखंड में खंड/नगरशः बालों के पथसंचलन की योजना बनाई गई। 30 नगर एवम् 37 खंडों में संचलन निकले जिसमें 4506 बाल स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में सम्मिलित हुए।

**(13) गोरक्ष** :–

**सेवा सप्ताह** – गोरक्ष प्रांत में इस वर्ष की कार्य योजना में प.पू. बाळासाहेब देवरस जी के जन्मशताब्दि वर्ष को निमित्त बनाकर दिनांक 9 नवंबर से 15 नवंबर 2016 को 'सेवा सप्ताह' के रुप में संपन्न करने की योजना बनी।

इसमें सेवा विषय पर बौद्धिक वर्ग, सेवा दिन, सेवा बस्ति/ग्राम संपर्क, स्वच्छता दिवस, स्वास्थ्य दिवस, पर्यावरण संरक्षण तथा सातवें दिन सेवा केन्द्र दर्शन इस प्रकार सात दिन की योजना बनी। लगभग 50 प्रतिशत शाखाओं की अच्छी सहभागिता रही। 980 स्वयंसेवकों द्वारा 206 बस्तियों में संपर्क हुआ। 653 स्थानों पर 4452 स्वयंसेवकों ने स्वच्छता का कार्य किया। 192 शाखाओं ने 362 चिकित्सकों की सहायता से स्वास्थ्य संबधित कार्यक्रम आयोजित किये। जिसमें लगभग 15000 रुग्णों की चिकित्सा की गई। पर्यावरण जागरण उपक्रम में लगभग 6000 बंधु सहभागी हुए। सेवा केन्द्र दर्शन हेतु 730 कार्यकर्ता गये। अत्यंत प्रभावी रुप से सेवा सप्ताह का आयोजन संपन्न हुआ।

**(13) दक्षिण बंग** :–

**मकर संक्रमण कार्यक्रम** – प.पू.सरसंघचालक जी के प्रवास क्रम में कोलकाता महानगर का मकरसंक्रमण के अवसर पर स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण संपन्न हुआ। जिसमें महानगर के 314 केद्रों से 1848 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। शारीरिक प्रदर्शन भी हुए। लगभग 2000 गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति उल्लेखनीय है। प्रसार माध्यमों का सहयोग भी सकारात्मक रहा।

## हिन्दु जागरण के विशेष कार्यक्रम :–

गुजरात, मालवा, मध्यभारत इन प्रांतों में अत्यंत प्रभावी संम्मेलनों का आयोजन हुआ। जिसमें प.पू. सरसंघचालक जी एवम् देवगिरी प्रांत में संपन्न महिला ग्राम विकास संगम में ग्राम विकास के अखिल भारतीय प्रमुख डॉ. दिनेश जी उपस्थित रहे।

**(1) महिला ग्राम विकास संगम, देवगिरी** – 'ग्राम विकास'' कार्य में महिलाओं की सहभागिता बढे इस दृष्टि से ''महिला ग्राम विकास संगम'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 95 ग्रामों से 641 महिलायें और 170 पुरुष उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वनवासी कल्याण आश्रम की श्रीमति ठमाताई पवार, नागपूर से 'निरामय' संस्था की डॉ, उर्मिलाताई क्षीरसागर, प्राकृतिक कृषि तज्ञ श्रीमति शुभदाताई चांदगुडे, पर्यावरण विशेषज्ञ श्रीमति पेठे आदि बहनों का समयोचित मार्गदर्शन मिला। व्यसनमुक्ति, स्वयंसहायता समूह आदि विषयों पर भी चर्चा सत्र हुए। अखिल भारतीय ग्राम विकास प्रमुख डॉ. दिनेश जी का भी मार्गदर्शन सभी को प्राप्त हुआ।

**(2) विराट हिंदू सम्मेलन, वासदा, गुजरात** – प्रांत में जनजाति क्षेत्र में कार्य को गति देने की दृष्टि से 4 स्थानों पर सम्मेलनों का आयोजन किया गया। नवसारी विभाग में ''भारत सेवाश्रम संघ'' की शतवार्षिकी समापन के निमित्त वलसाड जिले के वासंदा गाँव में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया।

विभाग के सभी तहसिलों के कुल 1145 ग्रामों से 70946 महिला–पुरुष इस सम्मेलन में उपस्थित रहे। पूर्व मैयारी के नाते 23 स्थानों पर अभ्यास वर्ग, 4 स्थानों पर सामाजिक सद्भाव बैठकें और प्रांत के अन्य स्थानों से 432 बहनों द्वारा 237 ग्रामों के 23835 परिवारों से संपर्क किया गया। परिणामतः सम्मेलन सफल रहा।

**(3) ग्राम संगम** :– प.पू.सरसंघचालक जी की उपस्थिति में मालवा प्रांत के उज्जैन शहर में ''ग्राम संगम'' कार्यक्रम का आयोजन किया था। कार्यक्रम की पूर्व तैयारी हेतु जिन ग्रामों में जैविक कृषि, गौपालन, समरसता, स्वच्छता एवम् व्यसनमुक्ति इन पाँच विषयों में कार्य प्रारंभ हुआ है ऐसे ग्रामों का चयन करना निश्चित किया। प्रांत में 609 ग्रामों का चयन किया। इन ग्रामों में कार्यशालायें एवम् जनजागरण के कार्यक्रम भी किये गये। प्रत्येक ग्राम से 3 कार्यकर्ता

अपेक्षित थे। कार्यक्रम में 427 ग्रामों से 1413 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। चयनित सभी पाँच बिन्दुओं पर चर्चा एवम् अनुभव कथन के कार्यक्रम प्रभावी रहे। शिविर के पश्चात् ग्राम विकास के कार्य में अच्छी गति आयी है।

**(4) हिन्दू सम्मेलन, बैतूल, मध्यभारत** :– मध्यभारत का बैतूल जिला जनजाति बहुल है। वहाँ कई प्रकार की चुनौतियाँ है। समाज में आत्मविश्वास का वातावरण बने तथा सज्जनशक्ति का दर्शन हो इस दृष्टि से चरणबद्ध योजना बनाकर हिन्दू सम्मेलन का आयोजन बैतूल शहर में किया गया। सम्मेलन के पूर्व जलसंधारण, ग्राम स्वच्छता, समरसता बैठकें, स्वास्थ्य शिविर, गौ पूजन, युवा सम्मेलन इत्यादि कार्यक्रम संपन्न हुए। संपर्क हेतु 70 कार्यकर्ता ग्राम–ग्राम में गये। 1468 ग्रामों तक पहुँचकर 4 लाख बंधुओं से संपर्क किया गया और ग्राम स्तर पर समितियों का गठन किया गया। दिनांक 8 फरवरी को संपन्न यह विराट हिन्दू सम्मेलन में लगभग एक लाख लोग सहभागी हुए। आयोजन अत्यंत प्रभावी रहा। व्यवस्था में नगर की विविध 31 जाति, संस्थाओं का सहयोग उल्लेखनीय है।

## राष्ट्रीय परिदृश्य :–

राष्ट्रीय तथा सामाजिक जीवन में तात्कालिक एवम् दूरगामी परिणाम करने वाली घटनायें घटती रहती है। ऐसी घटनायें कभी मनोबल बढाने वाली तो कभी राष्ट्रजीवन का सामर्थ्य प्रकट करने वाली होती है। लेकिन कुछ घटनायें ऐसी भी होती है जिसका चिंतन व समीक्षा समयपर करने की आवश्यकता रहती है। हिंसा का मार्ग अपनाते हुए हिन्दु समाज को भयग्रस्त करने का प्रयास होता है। राजनीतिक असहिष्णुता व बलप्रयोग करते हुए अन्य विचारधारा के समर्थकों के सम्मुख चुनौति खडी की जाति है। कुछ घटनायें निश्चित ही चिंता का कारण बनती है।

दशकों से वामपंथी हिंसा का शिकार बना पश्चिम बंगाल सत्ता परिवर्तन के पश्चात् शांति और सुव्यवस्था की अपेक्षा कर रहा था, लेकिन सत्ता परिवर्तन के पश्चात् तो हिन्दू समाज पर होने वाले अत्याचारों की घटनायें बढी है जो चिंताजनक है। मालदा की घटना हो या अभी–अभी घटित धौलागढ की, ये सारी घटनायें हिन्दू समाज के लिये बहुत ही चिंता का विषय बना है। सत्ताधिशों द्वारा मुस्लिम तुष्टिकरण की पराकाष्ठा, प्रशासन का मूक साक्षी बनना पुरानी घटनाओं का स्मरण कराता है। सत्तादल के जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी चिन्हांकित है। इन घटनाओं को सभी स्तरों पर गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। केरल की परिस्थिति भी विचारणीय है। विधानसभा में साम्यवादी दल को प्राप्त विजय के पश्चात् संघ प्रेरित कार्यों के कार्यकर्ताओं पर हमलों की संख्या बढी है। अमानवीय चेहरा खुलकर प्रकट हुआ है। बालक, महिला, वयोवृद्ध, युवक इनके आक्रमणों के शिकार बने है। प्राणहानी के साथ खेती, उद्योग, घरों को नष्ट करने की घटनायें यह एक द्वेषमूलक, असहिष्णु मानस को दर्शाता है। लोकतंत्रात्मक मार्ग से सत्ता तक पहुँचने वालों का यह दायित्व बनता है कि जनसामान्यों को सुरक्षा एवं प्रशासन के प्रति विश्वास के लिये आश्वस्त करे।

दोनों राज्यों की सरकारें न्यायपूर्ण व्यवहार तथा शांति और सौहार्द का वातावरण निर्माण करने में पहल करे यही अपेक्षा है।

### सर्जिकल स्ट्राइक –

पाकिस्तान द्वारा भारत विरोधी गतिविधियों को रोकने के स्थान पर उन्हें बल प्रदान करना, भारत की सीमा के निकट उनके शिविरों को प्रश्रय देना और सेना द्वारा बार–बार गोलाबारी की घटनायें यह एक छद्म आक्रमण ही है। सितंबर मास में पाकिस्तान के खिलाफ 'सर्जिकल स्ट्राइक' करना पडा। भारत की सरकार ने अपने सामरिक कुशलता का परिचय दिया है। भारत की सेना के जवान साहस और कुशलता के साथ हमला करके आतंकी शिविरों को नष्ट कर सकुशल अपनी सीमा में लौट आये। सेना के इस साहसिक कार्य के लिये हम सभी संबंधित सैनिक तथा अधिकारियों का अभिनंदन करते है।

केन्द्र सरकार ने दृढ इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। साथ ही पाकिस्तान के विरोध में अंतर्राष्ट्रीय जनमत बनाने में सफल भूमिका निभाई है। परिणामतः इस्लामाबाद में होने वाला सार्क सम्मेलन हो नहीं सका।

### विमुद्रीकरण –

आर्थिक क्षेत्र में ''विमुद्रीकरण'' का निर्णय भी केन्द्र सरकार का साहसिक निर्णय है। पश्चात् एक भिन्न भारत का दर्शन हम सबने किया है। जनसामान्यों को अवश्य ही कुछ कठिनाइयाँ झेलनी पडी जो स्वाभाविक ही थी। जनता ने अभूतपूर्व संयम एवम् देशभक्ति का परिचय दिया है। कालाधन, जाली नोट, आतंकवादियों द्वारा धनशक्ति के बलपर निर्माण की जानेवाली समस्याओं के निदान की दिशा में उठाया गया कदम अभिनंदनीय है। केन्द्र सरकार का यह निर्णय कितना समयोचित और परिणामकारक रहा यह तो भविष्य में सिद्ध होगा।

### इस्रो के वैज्ञानिकों का अभिनंदन –

15 फरवरी 2017 यह दिन हम सब भारतवासियों के लिये स्वाभिमान का रहा। इस्रो में कार्यरत महिला एवं पुरुष वैज्ञानिकों ने सामूहिकता से अंतरिक्ष विज्ञान के जगत में एक अभूतपूर्व कार्य संपादन किया है।

विश्व में रशिया के वैज्ञानिकों ने 2014 में एक साथ 37 उपग्रह छोडकर अपना स्थान बनाया था। अपने वैज्ञानिकों की विशेषता रही कि मात्र 30 मिनिटों में 104 उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करने में सफलता प्राप्त की है। यह अभियान सफल होते ही इस्रो के वैज्ञानिकों का विश्वभर से अभिनंदन हुआ है।

डॉ. होमी भाभा, श्री विक्रम साराभाई, श्री सतीश धवन ऐसे महानुभावों ने जो सपना देखा था उसे साकार होते हुए हम देख रहे है। निश्चित ही सुरक्षा, अंतरिक्ष विज्ञान, उर्जा इत्यादि विविध प्रकार के शोध क्षेत्र में अपने वैज्ञानिक भारत की प्रतिष्ठा बढाने में सफल होंगे।

इस आयोजन में जिन वैज्ञानिकों की भूमिका रही हम उनका अभिनंदन करते है।

**समापन**

सामाजिक जीवन में नित्य ही सकारात्मक एवम् नकारात्मक घटनाओं का क्रम चलता रहता है। अपने कार्य के द्वारा हम समाज में जागरण एवम् चेतना शक्ति को जागृत करते हुए संगठित होकर परिवर्तन की दिशा में बढ रहे है। सर्वत्र अत्यंत अनुकूलता का वातावरण और अपने कार्य की स्वीकार्यता बढी है।

राजनीतिक क्षेत्र में दिखाई देने वाली द्वेष भावना राज्यों राज्यों में क्षेत्रभाव का पोषण करने वाली शक्तियाँ भी विद्यमान है। विश्व के अन्यान्य देश भी सामर्थ्यसंपन्न भारत के निर्माण में बाधायें खडी करने का प्रयास कर रहे है।

इन सारी परिस्थितियों में दृढता के साथ संकल्पबद्ध होकर, हमारी अंतर्गत सामाजिक समस्याओं का निराकरण करते हुए हम सबके समन्वित प्रयास से ही अपना मार्ग प्रशस्त होगा यह विश्वास है।

प.पू. श्री गुरुजी ने जो विश्वास व्यक्त किया है उसका स्मरण रखे,

**''विजय ही विजय ह''।**